आन्तरिक गृहकार्य

हिन्दी

एम. ए. पूर्वार्द्ध

एमएएचडी-01, 02, 03 &04

सत्र-2014-15

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय , कोटा

रावतभाटा रोड, कोटा 324021 (राजस्थान)

फोन : - 0744-2470615, फैक्स: - 0744 - 2472525

Visit us at: www.vmou.ac.in

एम. ए. पूर्वार्द्ध , हिन्दी एमएएचडी-01, 02, 03 &04

मूल्यांकन हेतु आन्तरिक गृह कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

आपको एम. ए. पूर्वार्द्ध वर्ष में हिन्दी विषय के प्रश्न पत्रों के आन्तरिक गृह कार्य भिजवाये जा रहे हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

पाठ्यक्रम कोड	प्रश्न पत्र का नाम
एमएएचडी-01	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
एमएएचडी-02	आधुनिक काव्य
एमएएचडी-03	हिन्दी साहित्य का इतिहास
एमएएचडी-04	काव्यशास्त्र एवं समालोचना

आपके प्रश्नपत्र में आपको आन्तरिक गृह कार्य करने हैं । इन्हें पूरा करके आप अन्तिम तिथि से पूर्व अपने क्षेत्रीय केन्द्र/अध्ययन केन्द्र के निदेशक के पास स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से अवश्य भिजवा दें। प्रत्येक सत्रीय कार्य 30 अंक का है। इन प्राप्तांकों को आपकी सत्रांत परीक्षा के अंकों के साथ जोड़ा जायेगा। सत्रीय कार्य स्वयं की हस्तलिपि में करें। तथ्यात्मक त्रुटियों को छोड़ कर सत्रीय कार्यों का पुनर्मूल्यांकन नहीं होता है, और न ही इन्हें सुधारने हेतु दुबारा स्वीकार किया जाता है। अतः पहली बार में ही सर्वश्रेष्ठ उत्तर लिखें। प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रीय कार्य अलग-अलग फाईल में नत्थी करें।

विद्यार्थी प्रथम पृष्ठ पर निम्न सूचना अकिंत करें।

स्कालर संख्या ....

छात्र का नाम ....

पिता का नाम ....

पत्र व्यवहार का पता ....

....

....

....

....

पाठ्यक्रम का नाम ....

पाठ्यक्रम का कोड ....

जमा करवाने का दिनांक ....

अध्ययन केन्द्र का नाम ....

क्षेत्रीय केन्द्र का नाम ....

आन्तरिक गृह कार्य

आन्तरिक गृहकार्य
एम. ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा
एमएएचडी-01
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

अधिकतम अंक 20

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड - अ

अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)

नोट : इस खण्ड में 4 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 4x1=4

प्रश्न 1 **कबीर की भाषा कौन सी है, एवं उसकी क्या विशेषता है।**

प्रश्न 2 **रीति मुक्त काव्य धारा से क्या तात्पर्य है।**

प्रश्न 3 **पृथ्वीराज रासो में वर्णित किन्ही दो कथानक रूढियों का उल्लेख करे।**

प्रश्न 4 **सूर ने अपने इष्ट का किस रूप वर्णन किया।**

खण्ड - ब

लघु उत्तर वाले प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। 2 × 4 = 8

प्रश्न 5 **सप्रसंग व्याख्या करें -**

कागद पर लिखत न बनत।
कहत संदेसु लजान।।
काहिहे सबु तेरौ हियो।
मेरे हिय की बात।।
थोरे ही गुन रीझते।
बिसराई वह बानि।।
तुम हूँ कान्ह मनौ मए।
आज कालिह के दानि।।

प्रश्न 6 **घनानंद द्वारा प्रस्तुत प्रेम के स्वरूप को स्पष्ट करे।**

प्रश्न 7 **सप्रसंग व्याख्या करें -**

म्हारां रो गिरधर गोपाल दूसरा णां कूयां
छूसरा णां कूयां साधो सकल लोक जूंया।।
भामा छाडयां बन्धा छाडयां सगां सूयां
साधा दिग बैठबैठ-, लोक लाज खूयां

भंगत देव्यां राजी हू यां जगत दोव्यां रूयां।
असुवां जल सींच सींच पे् रम बेलबूयां।
दधमथ घृ त काढ लयां डार दया घूवां
मीरा री लगण लग्यां, होणा हो जो हू यां।

प्रश्न 8 भूषण की राष्ट्रीय चेतना का मूल्यांकन करें।

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का है। 01 × 08 = 08

प्रश्न 9 'तुलसी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का उल्लेख करते हु ए उनके काव्य-सौन्दर्य का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिये।

प्रश्न 10 घनानंद के काव्य के भाव पक्ष और कला पक्ष का विवेचन करते हु ए सिद्ध कीजिये कि 'घनानंद रीतिमुक्त काव्य धारा के प्रसिद्ध कवि है।'

आन्तरिक गृहकार्य
एम. ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा
एमएएचडी-02
आधुनिक काव्य

अधिकतम अंक 20

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड - अ

अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)

नोट : इस खण्ड में 4 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 4x1=4

प्रश्न 1 छायावादी चतुष्टय का नाम लिखिए।

प्रश्न 2 स्नेह निर्झर बह गया रचना का मूल भाव लीखिए।

प्रश्न 3 'बादल को घिरते देखा' कविता किसकी है ?

प्रश्न 4 पन्त की दो कृतियों का नाम लीखिए।

खण्ड - ब

लघु उत्तर वाले प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। 2 × 4 = 8

प्रश्न 5 'जूही की कली' कविता के मूल भाव लिखिए।

प्रश्न 6 निम्न पद्यांश का सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

हे भारत भद्र अब कहो अभीप्सित अपना
सब सजग हो गये, भंग हुआ ज्यों सपना
हे आर्य क्या रहा भरत अभीप्सित अब भी
मिल गया अकंटक राज्य उसे जब, तब भी ?
पाया तुमने तरू-तले अरण्य बसेरा
रह गया अभीप्सित शेष तदापि क्या मेरा ?

प्रश्न 7 निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

विजन-वन-वल्लरी पर
सोती थी सुहाग-भरी-स्नेह-स्वप्न-मग्न
अमल-कोमल-तनु तरूणी-जुही की कली
दृग बंन्द किये, शिथिल, पत्रांक में,
बसन्ती निशा थी,
विरह-विधुर-प्रिया संग छोड़

किसी दूर देश में था पवन
जिसे कहते हैं मलयानिल।

प्रश्न 8 प्रयोगवाद में अज्ञेय के महत्व का निरूपण कीजिए।

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का है। 01 × 08 = 08

प्रश्न 9 जयशंकर प्रसाद के काव्य के अनुभूति और अभिव्यकित पक्ष की विवेचना कीजिए।

प्रश्न10 नागार्जुन के काव्य के अनुभूति और अभिव्यकित पक्ष की विवेचना कीजिए।

आन्तरिक गृहकार्य
एम. ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा
एमएएचडी-03
हिन्दी साहित्य का इतिहास

अधिकतम अंक 20

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड - अ

अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)

नोट : इस खण्ड में 4 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तरको प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 4x1=4

प्रश्न 1 आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने वीरगाथा काल की समय सीमा क्या मानीं ?

प्रश्न 2 "जदपि सुजाति सुलच्छनी, सुबरन सरस सुवृत्त। भूषण बिनु न राजइ कविता वनिता मित्त।।"
के रचनाकार हैं ?

प्रश्न 3 द्विवेदी युग का नामकरण किसके नाम पर हुआ ?

प्रश्न 4 प्रगतिवादी काव्य की कोई एक विशेषता लिखिए ?

खण्ड - ब

लघु उत्तर वाले प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। 2 × 4 = 8

प्रश्न 5 संत काव्य की प्रवृतियों का विवेचन कीजिए ?

प्रश्न 6 राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा से क्या आशय है ? स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 7 समकालीन कविता का अर्थ व स्वरूप स्पष्ट कीजिए ?

प्रश्न 8 हिन्दी भाषा एवं साहित्य को महावीर प्रसाद द्विवेदी का योगदान रेखांकित कीजिए ?

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उतर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का है। 01 × 08 = 08

प्रश्न 9 भक्तिकाल को स्वर्णयुग कहा जाता है। इस कथन कि सोदाहरण विवेचना कीजिए ?

प्रश्न10 छायावाद की विशेषताओं का सोदाहरण वर्णन कीजिये |

आन्तरिक गृहकार्य
एम.ए.पूर्वार्द्ध परीक्षा
एमएएचडी-04
काव्यशास्त्र एवं समालोचना

अधिकतम अंक 20

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड - अ

अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)

नोट : इस खण्ड में 4 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 4x1=4

प्रश्न 1 प्रबन्धकाव्य के दो प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 2 'भरतमुनि' के रससूत्र की परिभाषा बताइए।

प्रश्न 3 'निर्वेयकितकता के सिद्धान्त' का क्या आशय है ? इस सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया था ?

प्रश्न 4 'त्रासदी सिद्धांत' की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

खण्ड - ब

लघु उत्तर वाले प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। 2 × 4 = 8

प्रश्न 5 मार्क्स के साहित्य चिंतन के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक यथार्थवाद की विशेषताओ पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 6 अभिव्यंजनावाद और वक्रोक्ति सिद्धांत के साम्य-वैषम्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 7 उत्तर आधुनिकतावाद की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 8 गीतिकाव्य को परिभाषित करते हुए उसको तत्वों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का है। 01 × 08 = 08

प्रश्न 9 'रस' को परिभाषित करते हुए उसके विभिन्न अवयवों का सांगोपांग विवेचन कीजिए।

प्रश्न10 हिन्दी आलोचना के उदभव और विकास पर एक निबन्ध लिखिए।